# इंजीनियरिंग के नए विद्यार्थियों का स्वागत

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि में सोमवार को इंजीनियरिंग संकाय के नए विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम हुआ। संकाय के निदेशक प्रो. हैदर अली ने विद्यार्थियों का स्वागत कर उन्हें विवि और संकाय की उपलब्धियों से परिचय करवाया गया। (संवाद)

# एनसीसी गर्ल्स बटालियन कमान अधिकारी ने किया भाषा विवि का दौरा

**लखनऊ, लोकसत्य।** कर्नल रत्नाकर त्रिवेदी कमान अधिकारी 20 यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी का संस्थागत दौरा ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में हुआ। कमान अधिकारी का एएनओ एनसीसी लेफ्टिनेंट डॉ. बुशरा अलवेरा ने गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

कमान अधिकारी कुलपति प्रो.एनबी सिंह और विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारियों के बीच बातचीत भी हुई। बालिका एनसीसी इकाई के लिए 20 और रिक्तियों की मांग उठाई गई और परिसर में बालकों के लिए एनसीसी इकाई की भी योजना बनाई गई। बाद में कमांडिंग ऑफिसर और एनसीसी कैडेटों के बीच बातचीत हुई जिसमें उन्होंने बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए एनसीसी के विभिन्न लाभों पर चर्चा की। इस बीच, 19 रिक्तियों के विरुद्ध प्रथम वर्ष के कैडेटों का नामांकन भी हुआ। कुल 80 सीनियर विंग कैडेट विश्वविद्यालय के अधीन हैं।

**Lucknow 04-09-2024**
http://epaper.loksatya.com/

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
लोकसत्य

हिन्दुस्तान
लखनऊ, बुधवार, 4 सितंबर 2024


## कैम्पस 30s

# एनसीसी इकाई में 20 रिक्तियां मांगीं

लखनऊ। 20 यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी कर्नल रत्नाकर त्रिवेदी ने ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय का दौरा किया। एएनओ एनसीसी लेफ्टिनेंट डॉ. बुशरा अलवेरा ने स्वागत किया। कमान अधिकारी और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एनबी सिंह, विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारियों के बीच बातचीत भी हुई। इसमें बालिका एनसीसी इकाई के लिए 20 और रिक्तियों की मांग उठाई गई। परिसर में बालकों के लिए एनसीसी इकाई की भी योजना बनाई गई।

हिन्दुस्तान
लखनऊ, बुधवार, 4 सितंबर 2024 06

# नए विद्यार्थियों को बताए विश्वविद्यालय के नियम

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय में बीटेक और बीसीए प्रथम वर्ष के नवागंतुक छात्रों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम हुआ। जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के वातावरण से परिचित कराना और उन्हें उच्च शिक्षा की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करना था। इंडक्शन प्रोग्राम के दौरान छात्रों को न केवल विश्वविद्यालय के नियमों और शैक्षणिक प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया बल्कि उन्हें विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भी शामिल होने का अवसर मिला।

नेशनल श्री सम्मान 2024 के लिए आवेदन नेशनल श्री सम्मान 2024 मनोविज्ञान विभाग भविष्य की शुभकामनायें दी गयी।

# शिक्षक अपने दायित्व का निष्पक्षता से निर्वहन करें : प्रो. एनबी सिंह

**लखनऊ।** ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर गुरुवार को विश्वविद्यालय के भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई सभागार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की फोटो पर पुष्पार्चन और दीप प्रज्वलित कर किया गया। शिक्षक दिवस पर सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डीन, अकादमिक प्रो. सौबन सईद ने कहा कि आज का दिन विद्यार्थियों का है विद्यार्थियों को अपने शिक्षकों से सीखना चाहिए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेन्द्र बहादुर सिंह ने अपने उद्बोधन में सभी शिक्षकों को मुबारकबाद दी। उन्होंने कहा कि शिक्षक के रूप में हमें विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा देना चाहिए। हमारे परिवार में नाते रिश्तेदारो से हम कुछ न कुछ सीखते हैं। विद्यार्थी जो भविष्य में शिक्षक बनना चाहते हैं उनको सीखने की ललक हमेशा रखनी चाहिए। शिक्षकों को भी अपने दायित्व का निष्पक्षता से निर्वहन करना चाहिए। विद्यार्थियों को भी स्वयं को अनुशासित करते हुए अपने लक्ष्य पर फोकस करना चाहिए। कार्यक्रम का आभार ज्ञापन प्रो. चन्दना डे किया। शिक्षक दिवस के इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भी गायन करके शिक्षकों को याद किया गया। शिक्षक दिवस के इस कार्यक्रम का आयोजन प्रो. चन्दना डे द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता एवम जनसंचार विभाग की विषय प्रभारी डॉ. रुचिता सुजाई चौधरी ने किया। इस अवसर पर प्रो. मसूद आलम, प्रो. सौबान सईद, प्रो. तनवीर खदीजा, डॉ. लक्ष्मण सिंह, डॉ. श्वेता अग्रवाल, डॉ. नसीब, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. इरफान सहित तमाम शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ने विचार
जीवन से
धक एवं
लिज के
रियों को
ज के उप
लिपिक
ाकर एवं
भेंट कर
कार्यक्रम
तिथि का
ॉलेज के
नौजिया,
काटकर
सिंह का
क एवम

विशाल सिंह चंदेल, केआईईटी गाजियाबाद की डॉ. मोनिका कौरव, यूनाइटेड कॉलेज ग्रेटर नोएड के डॉ. योगेश श्रीवास्तव, बीआईटी झांसी के डॉ. अतुल कुमार द्विवेदी, अंबेडकरनगर के डॉ. सूर्य प्रकाश सिंह को उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान दिया गया। पिछले सत्र में

हिन्दुस्तान
लखनऊ, शनिवार, 7 सितंबर 2024


# 'सोच को आकार देते हैं शिक्षक'

लखनऊ। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग की साहित्यिक संस्थां बज़्मे अदब की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों के जीवन में शिक्षकों का महत्व बताया गया। उर्दू विभाग के अध्यक्ष प्रो. फखरे आलम ने कहा कि एक शिक्षक का छात्रों के जीवन में बहुत महत्व होता है, क्योंकि शिक्षक न केवल अपने छात्रों की सोच को आकार देता है बल्कि उनके व्यक्तित्व के छिपे हुए तत्वों को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक एक महान व्यक्तित्व के मालिक होते हैं।

# संस्कृत के सार्वभौमिक स्वरूप का अध्ययन हो

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय में संस्कृत भारती अवध प्रांत के संयुक्त तत्वाधान में संस्कृत का उन्नयन एवं संभाषण विषय पर कार्यशाला हुई। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय सम्पर्क प्रमुख संस्कृति भारती श्रीशदेव पुजारी ने कहा कि संस्कृत भाषा का भारत की भाषा तथा संस्कृति से जुड़ाव प्राचीन काल से है। संस्कृत के सार्वभौमिक स्वरूप एवं व्यापक ज्ञान को वर्तमान परिपेक्ष में चिंतन तथा अध्ययन की आवश्यकता है।

# छात्रों के व्यक्तित्व और मानसिकता में शिक्षकों की अहम भूमिका:फखरे आलम

**शिक्षक दिवस के अवसर पर भाषा विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग में कार्यक्रम का आयोजन**

जमानुल हसन
सिटीज़न वॉयस, संवाददाता
लखनऊ

**लखनऊ।** आज ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के उर्दू विभाग की साहित्यिक संस्था 'बज़्में अदब' के तत्वाधान में शिक्षक दिवस के अवसर पर आज एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस अवसर पर अपने छात्रों को सम्बोधित करते हुए उर्दू विभाग के अध्यक्ष प्रो. फखरे आलम ने कहा कि एक शिक्षक का छात्रों के जीवन में बहुत महत्व होता है क्योंकि शिक्षक न केवल अपने छात्रों के सोच को आकार देता है बल्कि उनके व्यक्तित्व के छिपे हुए तत्वों को उजागर और प्रकाशित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षक एक महान व्यक्तित्व के मालिक होते हैं विश्व के इतिहास को महान बनाने में उनके शिक्षकों के महान प्रयास रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षक न केवल युवा सोच के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि भारत के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य बनाते हैं इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि हम सभी को शैक्षणिक ईमानदारी के साथ काम करके और अपने छात्रों का भविष्य बनाना चाहिए, क्योंकि हमारी छोटी सी गलती से एक पूरी पीढ़ी को नुकसान हो सकता है। प्रोफेसर सोबान सईद ने विभाग के छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सच है कि समकालीन युग में समाज के बदलते मूल्यों और उपभोक्तावाद के कारण शिक्षकों और छात्रों के बीच संबंधों में नई समस्याएं पैदा हो रही हैं, लेकिन वहीं अभी भी बहुत कुछ बाकी है और इस बहुमूल्य पूंजी की रक्षा करना शिक्षकों और छात्रों दोनों की जिम्मेदारी है। इस संबंध में उन्होंने अपने शिक्षकों को याद किया और कहा कि हमें अपने वरिष्ठ शिक्षकों के नक्शेकदम पर चलना चाहिए और केवल छात्रों के हितों और विभिन्न पहलुओं का पालन करना चाहिए।

उनके व्यक्तित्व के विकास का ध्यान रखना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने शिक्षक दिवस मनाने की पृष्ठभूमि बताते हुए कहा कि शिक्षक दिवस वास्तव में महान दार्शनिक, विचारक, शिक्षाविद्, सुधारक और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन पर मनाया जाता है। इस अवसर पर विभाग के विभिन्न छात्रों ने निबंध, ग़ज़लें, कविताएँ और बीए के विभिन्न सेमेस्टर के छात्रों मुबाशिर उल हक, गुलाम मुहम्मद ने ग़ज़लें प्रस्तुत की मोहम्मद तारीफ़ और हारून रशीद ने निबंध पढ़ा इसके साथ ही आज इस अवसर पर बीए और एमए के विभिन्न छात्रों ने भी अपने विचार व्यक्त किये इसके साथ ही एम.ए के छात्र मुहम्मद ने निज़ामत और अब्दुल कादिर ने सबका धन्यवाद अदा किया . इस कार्यक्रम में उर्दू विभाग के शिक्षक डॉ. अकमल शादाब, डॉ. आज़म अंसारी, डॉ. ज़फरुन नकी, डॉ. मनव्वर हुसैन, डॉ. मूसी रजा एवं डॉ. सिद्धार्थ सुदीप के अलावा विभिन्न विभागों के छात्र भी उपस्थित थे।

# भाषा विवि के फॉर्मेसी में एडमिशन का मौका

एनडीएस संवाददाता

**लखनऊ।** ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के फॉर्मेसी विभाग में एडमिशन का अवसर दिया गया है। बतादें कि सत्र 2024-25 में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के भेषजी संकाय (Faculty of Pharmacy) की शेष सीटों पर दाखिले अब कॉमन यूनिवर्सिटी टेस्ट (सीयूईटी-2024) अथवा यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर लिए जायेंगे। अभी तक इसमें प्रवेश एकेटीयू की काउंसिलिंग से लिए जाने थे। प्रवेश समन्वयक प्रो. एहतेशाम अहमद ने बताया कि प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। इसमें यूनिवर्सिटी के प्रवेश पोर्टल (https:// kmcluadm.samarth.edu.in/) के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन फार्म भरा जा सकता है 7 आवेदन की अंतिम तिथि 15 सितम्बर, 2024 है EWS एवं लेटरल एंट्री के लिए भी आवेदन 15 सितम्बर, 2024 तक किये जा सकते है। प्रवेश प्रथम आवक-प्रथम पावक के आधार पर किया जाएगा।

## भाषा विवि में एडमिशन की समय सीमा बढ़ी

**लखनऊ।** ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में सभी विषयों में एडमिशन के लिए समर्थ पोर्टल को पुनः खोल दिया गया है। प्रवेश समन्वयक प्रो. एहतेशाम अहमद ने बताया कि सत्र 2024-25 के लिए बीबीए, एमबीए, बीसीए, एमसीए, बीकॉम, एमकॉम, सभी विषयों में स्नातक, सभी विषयों में परास्नातक, एलएलएम, सभी डिप्लोमा, सभी सर्टिफिकेट कोर्स, बीजेएमसी, एमजेएमसी तथा सभी बीटेक और बीएससी, एलएलबी, बीएएलएलबी (ईडब्ल्यूएस) सहित सभी विषयों में बची हुई सीटों के लिए प्रवेश प्रक्रिया 16 सितम्बर 2024 तक विस्तारित कर दी गई है। इच्छुक विद्यार्थी अपने योग्यता के अनुसार आवेदन कर प्रवेश ले सकते हैं इसके साथ ही cucet में अप्लाई करने वाले अभ्यर्थी भी समर्थ पोर्टल के माध्यम से एडमिशन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। एडमिशन से सम्बन्धित और अधिक जानकारी के लिए ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.kmclu.ac.in पर जाकर विजिट कर सकते हैं। प्रवेश से सम्बन्धित और अधिक जानकारी विश्वविद्यालय में बने प्रवेश केन्द्र से संपर्क किया जा सकता है।

# भाषा विवि : फार्मेसी में सीयूईटी से दाखिले

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में फार्मेसी पाठ्यक्रम की खाली सीटों पर प्रवेश का मौका है। अभ्यर्थी सीयूईटी स्कोर के माध्यम से कोर्स में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। विवि में फार्मेसी में दाखिले एकेटीयू की काउंसिलिंग के माध्यम से लिए जाने थे लेकिन उसमें देरी के चलते यह निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही विवि ने स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन तिथि 15 सितंबर तक बढ़ा दी है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर आवेदन फॉर्म भर सकते हैं। (संवाद)

IV दैनिक जागरण लखनऊ, 10 सितंबर, 2024

# केएमसी के फार्मेसी विभाग में प्रवेश 15 सितंबर तक

जासं • लखनऊ : केएमसी के फार्मेसी विभाग में अभ्यर्थियों को प्रवेश का एक और मौका मिल गया है। 2024-25 में फार्मेसी की रिक्त सीटों पर प्रवेश सीयूईटी या यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर लिए जाएंगे। अभी तक इसमें प्रवेश एकेटीयू की काउंसिलिंग से लिए जाने थे। प्रवेश समन्वयक प्रो. एहतेशाम अहमद ने बताया कि प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आवेदन की अंतिम तिथि 15 सितंबर है। ईडब्ल्यूएस व लेटरल एंट्री के लिए भी आवेदन 15 सितम्बर तक होंगे। प्रवेश पहले आओ पहले पाओ के आधार पर होगा।

**16 तक प्रवेश** : केएमसी ने सभी विषयों में एडमिशन के लिए समर्थ पोर्टल को फिर खोल दिया है। सत्र 2024-25 में बीबीए, एमबीए, बीसीए, एमसीए, बीकाम, एमकाम, सभी विषयों में स्नातक, सभी विषयों में परास्नातक, एलएलएम, सभी डिप्लोमा, सभी सर्टिफिकेट कोर्स, बीजेएमसी, एमजेएमसी, सभी बीटेक और बीएससी, एलएलबी, बीएएलएलबी (ईडब्लूएस) सहित सभी विषयों में बची हुई सीटों के लिए प्रवेश प्रक्रिया 16 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी अपने योग्यता के अनुसार आवेदन कर सकते हैं। सीयूईटी में आवेदन करने वाले अभ्यर्थी भी समर्थ पोर्टल के माध्यम से प्रवेश ले सकते हैं।

हिन्दुस्तान
www.livehindus
लखनऊ
मंगलवार
10 सितंबर 2024


काम की खबरें

1

## भाषा विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए अब 16 तक मौका

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में सभी विषयों में एडमिशन के लिए समर्थ पोर्टल को पुनः खोल दिया गया है। प्रवेश समन्वयक प्रो. एहतेशाम अहमद ने बताया कि सत्र 2024-25 के लिए सभी विषयों में बची सीटों के लिए प्रवेश प्रक्रिया 16 तक विस्तारित कर दी गई है।

लखनऊ, गुरुवार, 12 सितंबर 2024 08 हिन्दुस्तान

# विद्यार्थियों को सिखाई शेयर बाजार की बारीकी

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग की ओर से शेयर बाजार में निवेश पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य रूप से लाइव ट्रेडिंग और शेयर बाजार में निवेश पर ध्यान केंद्रित किया गया ताकि छात्रों को अतिरिक्त आय अर्जित करने के गुर सिखाए जा सके। बाजार विशेषज्ञ राज पांडे ने छात्रों के साथ शेयर बाजार में ट्रेडिंग की मूल बातों पर चर्चा की।

# भाषा विश्वविद्यालय में मनाया दूरदर्शन डे

**अवधनामा संवाददाता**

**लखनऊ।** ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में दूरदर्शन दिवस पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विदित है कि भारत में प्रत्येक 15 सितम्बर को दूरदर्शन दिवस मनाया जाता है। इसी श्रृंखला में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में दूरदर्शन डे का आयोजन विभाग में हाईब्रिड मोड के माध्यम से कुलपति प्रो. नरेन्द्र बहादुर सिंह के संरक्षण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ डॉ. काजिम रिज़वी ने किया। डॉ. रिज़वी ने अथितियों का परिचय देते हुए कहा कि दूरदर्शन मनोरंजन, शैक्षिक, सूचनाओं का संसाधन हुआ करता था। कार्यक्रम में संगोष्ठी की समन्वयक विषय प्रभारी डॉ. रूचिता सुजॉय चौधरी ने कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। डॉ. चौधरी ने कहा कि दूरदर्शन लोगों को सत्यम शिवम् सुंदरम के माध्यम से सीधे संवाद करता रहा है। दूरदर्शन अपनी खास विशेषतों से आम जनता का माध्यम माध्यम रहा है। दूरदर्शन दिवस पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए प्रो. संजीव भानावत ने कहा कि दूरदर्शन भारत में 15 सितंबर में आरंभ हुआ। जिसके माध्यम से जन जीवन टेलीविजन तकनीक से रूबरू हुआ। चित्रहार और रंगोली आदि कार्यक्रमों से लोग मनोरंजन किया करते थे। दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाली फिल्में अखबारों की सुर्खियां हुआ करती थीं। प्रो. भानावत ने कहा कि दूरदर्शन लोक प्रसारण का सशक्त माध्यम था। जनता दूरदर्शन के माध्यम से सरकारी कार्यक्रम और योजनाओं से लाभान्वित होती थी। तत्कालीन समय में घरेलू महिलाएं में भी प्रचलित माध्यम था। 1982 में रंगीन माध्यम से प्रसारण हुआ। कुल मिलाकर यह सरकारी प्रसारण माध्यम था। दूरदर्शन के माध्यम से सरकार अपनी बात सीधे दूरदर्शन के माध्यम से मन की बात नामक कार्यक्रम से कर रही है। दूरदर्शन हास्य और विनोद का जनमाध्यम था। उस वक्त बच्चे, किशोर, युवा, किसान, महिलाएं, वृद्ध, गीत और संगीत के माध्यम से जनता से सीधा संवाद किया। दूरदर्शन संगोष्ठी को विभाग के अध्यक्षता प्रो. चन्दना डे ने कहा कि हमें टीवी और दूरदर्शन माध्यम को याद करते हुए कहा कि हमारे समय में भी दूरदर्शन लोकप्रिय जन्माध्यम हुआ करता था। दूरदर्शन संगोष्ठी का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शचींद्र शेखर ने प्रो. संजीव भानावत का कार्यक्रम से जुड़ने के लिए आभार व्यक्त किया। डॉ. शेखर ने कहा कि दूरदर्शन टीवी के पर्दे से आज मोबाइल के माध्यम से पॉकेट में आ गया है। आज एक क्लिक के माध्यम से दूरदर्शन से आसानी से जुड़ा जा सकता है। जिसके लिए केवल एक एप में माध्यम से हम सीधे लाभ ले सकते हैं। संगोष्ठी के दौरान विभाग के शिक्षक डॉ. मो. नसीब, चितवन मिश्रा सहित सभी शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

CMYK

# दूरदर्शन दिवस पर संगोष्ठी

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि में दूरदर्शन दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रो. संजीव भानावत ने कहा कि दूरदर्शन का 1982 में रंगीन माध्यम से प्रसारण शुरू हुआ। उन्होंने दूरदर्शन से जुड़े कई संस्मरण साझा किए। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. रुचिता चौधरी, डॉ. काजिम रिजवी, डॉ. शचींद्र शेखर व शोधार्थी उपस्थित रहे। (संवाद)

my city अमर उजाला 5

# विद्यार्थियों ने चलाया सफाई अभियान

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में एनएसएस (यूनिट चार और पांच) ने स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने परिसर के विभिन्न हिस्सों, मैदानों, सड़कों और कक्षाओं की सफाई की। स्वयंसेवकों ने रैली भी निकाली। इसमें उन्होंने बैनरों और नारों से स्वच्छता का संदेश दिया। (संवाद)

# भाषा विश्वविद्यालय ने निकाली स्वच्छता रैली

**एनडीएस संवाददाता**

**लखनऊ।** ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती में स्वच्छता ही सेवा 2014 पखवाड़ा के अंतर्गत माननीय कुलपति प्रो. एन.बी. सिंह के संरक्षण में एक शपथ ग्रहण तथा रैली का आयोजन किया । इस कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. नलिनी मिश्रा तथा कार्यक्रम अधिकारी डॉ रामदास, डॉ. पूनम चौधरी, डॉ. अभय कृष्णा, डॉ. जफरुन नकी तथा डॉ. श्वेता अग्रवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कुलपति द्वारा समस्त प्रतिभागियों को स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता का संदेश दिया गया। उन्होंने कहा हमारे देश के लिए हमारे जीवन शैली में स्वच्छता की बहुत आवश्यकता है। गंदगी हमारे आसपास के वातावरण और हमारे जीवन को प्रभावित करती है। हमें व्यक्तिगत और आसपास सफाई रखनी चाहिए तथा दूसरों को भी स्वच्छता के प्रति जागरुक करते रहना चाहिए। कुलसचिव डॉ. महेश कुमार द्वारा सभी को स्वच्छता शपथ दिलाई गई। माननीय कुलपति ने हरी झंडी दिखाकर रैली की शुरुआत की। रैली द्वारा विश्वविद्यालय परिसर से लेकर आसपास के क्षेत्रो के लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में वित्त अधिकारी साजिद आज़मी, उप कुलसचिव दीप्ति मिश्रा तथा अन्य अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश जनमानस तक पहुंचाया गया।

# आर्टिफिशयल इंटेलीजेंस में रोजगार की अपार संभावनाएं : डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव

**एनडीएस संवाददाता**

**लखनऊ।** ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के पत्रकारिता एवं जनसंचार में ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। बतादें कि प्रत्येक वर्ष नए विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन विभाग द्वारा किया जाता है। इसी श्रृंखला में लखनऊ। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में सात दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिवस पर विश्वद्यालय के माननीय कुलपति प्रो . एन बी सिंह के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा छात्र छात्राओं का ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के पांचवे दिन पर कार्यक्रम में नेशनल पी.जी कॉलेज लखनऊ से डा. कीर्ति श्रीवास्तव उपस्थित रहीं । उन्होंने विद्यार्थियों के साथ जर्नलिज्म इन द एज ऑफ एआई विषय

पर चर्चा की। इस विषय पर चर्चा करते हुए विद्यार्थियों के ढेरों सवालों के जवाब देते हुए उनकी दुविधाओं को दूर किया।उन्होंने ए आई के लाभों के बारे में बताते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि ए आई के आने से लोगों के लिए नौकरी के अवसर कभी भी समाप्त होने वाले नहीं हैं। ये सेशन बहुत ही इंटरएक्टिव रहा। विद्यार्थियों ने बहुत ही उत्सुकता के साथ सवाल - जवाब करते हुए अपने मन की शंकाओं को दूर किया । कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वय डा. शचींद्र शेखर द्वारा किया गया। ओरिएंटेशन प्रोग्राम के अध्यक्षीय उद्बोधन में विषय डा. रुचिता सुचई चौधरी द्वारा आशीर्वचन देकर कार्यक्रम का समापन किया गया। प्रोग्राम का धन्यवाद ज्ञापन शोधार्थी अंजली वर्मा ने दिया। ओरिएंटेशन प्रोग्राम में विशेष सहयोग विभाग के सहायक प्रोफ़ेसर डा.नसीब का रहा। कार्यक्रम के दौरान सभागार में विभाग से डॉ. काजिम रिज़वी मोहसिन के साथ सभी शिक्षक और भारी मात्रा में विभाग के छात्र एवं छात्राएं भी उपस्थित रहे।

कैम्पस 30s

# एआई से नौकरियां खत्म नहीं होंगी

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार में ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अन्तिम दिन नव प्रवेशी छात्रों के साथ नेशनल पीजी कॉलेज की डा. कीर्ति श्रीवास्तव ने संवाद किया। कीर्ति श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों के साथ जर्नलिज्म इन द एज ऑफ एआई विषय पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि एआई से नौकरी नहीं खत्म होगी।

# भाषा विवि : हर घर नल योजना का अध्ययन करेंगे डॉ. राहुल मिश्रा

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि के अर्थशास्त्र विभाग में असिस्टेंट प्रो. डॉ. राहुल मिश्रा, सरकार की हर घर नल योजना के प्रभाव और महत्व का अध्ययन करेंगे।

डॉ. राहुल मिश्रा

इस अध्ययन में मूलतः स्वच्छ पेयजल के लिए संघर्ष कर रहे इलाकों को चुना गया है। इसमें रायबरेली जिले के ऊंचाहार तहसील के गांव शामिल हैं। हर घर नल योजना का असर और उसका ग्रामीण आबादी को मिलने वाला लाभ जानने के लिए डॉ. राहुल को सरकार के उच्च शिक्षा विभाग की ओर से सेंटर फॉर एक्सीलेंस के तहत 4.90 लाख अनुदान मिला है। डॉ. राहुल के मुताबिक, इस इलाके में पेयजल की स्थिति बहुत बेहतर नहीं थी।

**अवधी लोकगीतों की होगी रिकॉर्डिंग :** सेंटर फॉर एक्सीलेंस के अंतर्गत विवि में पत्रकारिता विभाग की डॉ. रुचिता को चार लाख की ग्रांट मिली है। वह अवधी लोक गीतों के संरक्षण और संवर्धन पर काम करेंगी।

डॉ. रुचिता।

इसमें लुप्त हो रहे अवधी गीतों को ऑडियो व वीडियो फॉर्म में रिकॉर्ड किया जाएगा। साथ ही उनको किताब में प्रकाशित भी किया जाएगा। (संवाद)

# भाषा विवि में प्रवेश का अन्तिम मौका

एनडीएस संवाददाता

**लखनऊ।** ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश का अंतिम अवसर दिया गया है। जैसा कि विदित है सत्र 2024-25 में भाषा विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है प्रवेश प्रक्रिया के इसी क्रम में प्रवेश से छूटे अभ्यर्थी दिनांक 24, 25 और 26 सितम्बर को अप्लाई किया जा सकता है। इच्छुक अभ्यर्थी इन तिथियों में समर्थ पोर्टल के माध्यम से विभिन्न पाठ्यक्रमों में अप्लाई कर सकते हैं। उसके बाद 27 एवं 28 सितम्बर को काउन्सलिंग के माध्यम से प्रवेश लिया जा सकता है। प्रवेश प्रक्रिया से सम्बन्धित और अधिक जानकारी के लिए प्रवेश समन्वयक प्रो. एहतेशाम अहमद से संपर्क किया जा सकता है।

## भाषा विश्वविद्यालय में हुआ राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

# भारत ने हमेशा लोक जीवन के अनुरूप कार्य किया

**अवधनामा संवाददाता**

**लखनऊ।** ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। बतादें कि प्रत्येक वर्ष पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पावन जयंती के अवसर पर भाषा विश्वविद्यालय के अटल हॉल में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ द्वारा किया गया। संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेन्द्र बहादुर सिंह के मार्गदर्शन में हुआ।

संगोष्ठी की शुरुआत मुख्य अतिथि को शॉल ओढ़ाकर और प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा शोधपीठ के समन्वयक डॉ. लक्ष्मण सिंह ने रखी। डॉ. सिंह ने संगोष्ठी की प्रस्तावना रखते हुए कार्यक्रम के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम की अगली श्रृंखला में शोधार्थियों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के ऊपर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर राजशरण शाही ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि विदेशियों ने हमारे ऊपर शासन शस्त्र से नहीं बल्कि शास्त्र से किया गया। विभिन्न पाश्चात्य विद्वानों ने आंग्ल के माध्यम से भारत को गुलाम बनाने के लिए किया गया। भारत के लोगों को उनकी मूल चेतना से काटना है तो उनकी भाषा से काटना चाहिए। भारत में आज भी भाषाई अस्मिता के लिए आज भी संघर्ष करना पड़ रहा है। प्रो.

**■ प्रो. शाही ने भाषा अनुवादक के रूप में पहचान को बंद करने का किया आह्वान**

शाही ने भाषा अनुवादक के रूप में पहचान को बंद करने का आह्वान किया गया। उन्होंने मूल भाषा से सदैव जुड़ने के लिए सभी श्रोताओं से आग्रह किया। भारत ने हमेशा लोक जीवन के अनुरूप कार्य किया है। भारत की संस्कृति समन्वय की है। प्रो. शाही ने सर्वाइवल ऑफ़ द फीटेस्ट के चिंतन पर बल दिया गया।कार्यक्रम में वक्तव्य देते हुए माननीय कुलपति प्रो. नरेन्द्र बहादुर सिंह ने कहा कि हमें पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के जीवन संघर्ष से सीखना चाहिए। कुलपति ने पंडित जी के अंत्योदय के सूत्र को आधुनिक जीवन में लोक कल्याणकारी बताया। भारत के चिंतन अन्तिम व्यक्ति के उपर आधारित है। संगोष्ठी का धन्यवाद ज्ञापन शोधपीठ की निदेशक प्रो. चन्दना डे ने किया। कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग की विषय प्रभारी डॉ. पूनम चौधरी ने किया। संगोष्ठी में पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ के सदस्य डॉ. मनीष कुमार, प्रो. एहतेशाम अहमद, डॉ. रुचिता चौधरी, डॉ. राहुल मिश्रा, डॉ. काजिम रिजवी सहित विश्वविद्यालय के तमाम शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# भाषा विश्वविद्यालय में मनाया फार्मासिस्ट दिवस

तिजारत संवाददाता

ख्वाज़ा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की फैकल्टी ऑफ फार्मेसी में माननीय कुलपति प्रो० एन० बी० सिंह की अध्यक्षता में विश्व फार्मासिस्ट दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आरंभ माननीय कुलपति महोदय प्रो० एन० बी० सिंह जी के द्वारा फ्लायर के उद्घाटन एवं आर्शीवचन के साथ हुआ। फैकल्टी ऑफ फार्मेसी की डीन प्रो० चन्दना डे० ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी। विश्व फार्मासिस्ट दिवस के इस कार्यक्रम में फार्मा टॉक , फार्मा क्विज़, फार्मा रंगोली और पोस्टर प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया गया जिसमें सभी छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रुप में प्रो० पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी, डायरेक्टर, इंस्टीटयूट ऑफ

फार्मेसी, लखनऊ यूनिवर्सिटी ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए फार्मासिस्ट की नैतिक जिम्मेदारियों से अवगत कराया साथ ही वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करने में फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला एवं प्रतिस्पर्धा के विजेताओं को मैडल एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया। फैकल्टी ऑफ फार्मेसी की डायरेक्टर प्रो० शालिनी त्रिपाठी ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया साथ ही छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि उनके द्वारा ली गई फार्मासिस्ट की शपथ के अनुसार अपने कर्तव्यों का पूर्ण रुप से पालन करना है। कार्यक्रम के सफल आयोजन

में फैकल्टी ऑफ फार्मेसी के शिक्षक शुभम रस्तोगी, एहतेशाम अहमद, नैन्सी तिवारी, अर्चिता तिवारी, अपेक्षा सिंह और विनोद गौतम की अहम भूमिका रही। छात्रों का उत्साह एवं भागीदारी भी उल्लेखनीय रही।